5125 B

दशम प्रश्न–पत्र (विकल्प–2)

प्रयोजनमूलक हिन्दी

पाठ्य विषय पाँच इकाइयों में विभक्त होगा। अंक 100

इकाई – I

राजभाषा हिन्दी : व्यावहारिक हिन्दी का स्वरूप और क्षेत्र, सम्पर्क भाषा, राष्ट्रभाषा, राजभाषा, हिन्दी की संवैधानिक स्थिति, कार्यालयी व्यवस्था और पत्राचार, पारिभाषिक शब्दावली।

इकाई – II

जनसंचार माध्यम और हिन्दी। मुद्रित जनसंचार माध्यम– परिचय, हिन्दी पत्रकारिता का विकास, सम्पादकीय, रिपोर्ताज, साक्षात्कार, फीचर एवं जनसंचार माध्यमों के लिए विविध लेखन। सिने समीक्षा एवं खेल समीक्षा।

इकाई – III

जनसंचार माध्यम और हिन्दी। दृश्य और श्रव्य माध्यम। टेलीविजन के लिए लेखन, पटकथा लेखन, रेडियो वार्ता का शिल्प, उद्घोषणाएँ एवं संचालन, आँखों देखा हाल। प्रेस वार्ता।

इकाई – IV

विज्ञापन का संसार और हिन्दी, रेडियो, टी.वी. एवं मुद्रित माध्यमों के लिए विज्ञापन लेखन। विक्रय प्रबन्धन और हिन्दी। जनसम्पर्क।

इकाई – V

कम्प्यूटर और इंटरनेट। मुद्रण की नयी तकनीक, प्रूफ रीडिंग एवं कम्पोजिंग। पृष्ठ सज्जा। अनुवाद। अनुवाद और भाषा।

सहायक ग्रंथ –

1. विनोद गोदरे : प्रयोजन मूलक हिन्दी, वाणी प्रकाशन, नई दिल्ली
2. पूरनचंद्र जोशी : संस्कृति, विकास और संचार क्रांति, ग्रंथ शिल्पी, नई दिल्ली
3. जवरीमल्ल पारख : जनसंचार माध्यमों का वैचारिक परिप्रेक्ष्य, ग्रंथ शिल्पी, नई दिल्ली
4. जवरीमल्ल पारख : हिन्दी सिनेमा का समाजशास्त्र, ग्रंथ शिल्पी, नई दिल्ली
5. रेमंड विलियम्स : संचार माध्यमों का वर्ग चरित्र, ग्रंथ शिल्पी, नई दिल्ली
6. सुभाष धूलिया : सूचना क्रांति की राजनीति और विचारधारा, ग्रंथ शिल्पी, नई दिल्ली
7. मनोहर श्याम जोशी : पटकथा लेखन : एक परिचय, राजकमल प्रकाशन, नई दिल्ली
8. सुधीश पचौरी : नए जनसंचार माध्यम और हिन्दी, राजकमल प्रकाशन, नई दिल्ली
9. असगर वजाहत : टेलिविजन लेखन, राधाकृष्ण प्रकाशन, नई दिल्ली
10. अनुपम ओझा : भारतीय सिने सिद्धान्त, राधाकृष्ण प्रकाशन, नई दिल्ली
11. कृष्ण बिहारी मिश्र : हिन्दी पत्रकारिता, भारतीय ज्ञानपीठ, नई दिल्ली
12. शंभुनाम (सं.) : आज का मीडिया, वाणी प्रकाशन, नई दिल्ली

●●●